बर्षः- 06
अंकः- 54
मुरादाबाद
(Sunday)
14 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

युवा भारतीय गढ़ रहे देश-दुनिया का भविष्य, प्रधानमंत्री मोदी ने की नई पीढ़ी के योगदान की प्रशंसा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने %स्टार्टअप इंडिया%, %डिजिटल इंडिया%, %स्किल इंडिया% और %अटल इनोवेशन मिशन% जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि युवाओं ने स्टार्टअप, विज्ञान, तकनीक, खेल और नवाचार के क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि एनडीए सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास को मजबूत रूप से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि यह देखकर प्रसन्नता होती है

कि युवा भारतीय उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो हमारे देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हाल ही में 12 साल पूरे किए हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने देश के युवाओं के लिए सरकार की योजनाओं, प्रयासों और उपलब्धियों को गिनाया है।पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, एनडीए सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास के लिए मजबूती से काम कर रही है। पिछले 12 वर्षों की एक खास बात यह रही है कि भारत के युवाओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया और %अटल इनोवेशन मिशन जैसी पहलों के जरिए एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार हुआ है जो इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और उद्यमशीलता को बढ़ावा देता है।उन्होंने पोस्ट में लिखा, आज भारत दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप डेस्टिनेशन में से एक है और इनमें से कई सफलता की कहानियां हमारी युवा शक्ति लिख रही है, और वह भी छोटे कस्बों और गांवों से%। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के युवा विज्ञान और तकनीक से लेकर विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। यह देखकर खुशी होती है कि युवा भारतीय उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो हमारे देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे।इसके साथ ही, पीएम मोदी ने खेल जगत में युवाओं ने प्रदर्शन को सराहा। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, हमारे युवाओं ने खेल के क्षेत्र में भी देश का मान बढ़ाया है। कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में युवा भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार देश का गौरव बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा कि खेलों का मजबूत इकोसिस्टम, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और खिलाड़ियों को मिलने वाला अधिक समर्थन युवा प्रतिभाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है और उन्हें खेलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कानपुर के छात्र का PM मोदी को भावुक खत, लिखा- भूखे सो जाएंगे, लेकिन आपकी सुरक्षा से समझौता मंजूर नहीं

वैश्विक संकट और चुनौतियों की खबरों के बीच कानपुर के छात्र आशुतोष यादव ने पीएम मोदी को एक भावुक पत्र लिखा है। पत्र में युवा ने देशहित में हर कमी और मुश्किल झेलने का संकल्प जताते हुए प्रधानमंत्री की सुरक्षा को देश की सर्वोपरि जरूरत बताया है।दुनियाभर में जारी उथल-पुथल, ईरान-इजरायल संघर्ष और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच कानपुर से देशप्रेम और प्रधानमंत्री के प्रति अगाध श्रद्धा की एक अनोखी मिसाल सामने आई है।ुक पत्र लिखकर वैश्विक संकट के इस दौर में उनके नेतृत्व के प्रति देश के आम नागरिक के अटूट विश्वास को प्रकट किया है। आशुतोष ने लिखा है कि देश की गरिमा और आपकी सुरक्षा सर्वोपरि है। इसके लिए हम हर तरह की कमी और मुश्किलें बर्दाश्त करने को तैयार हैं, लेकिन आपकी सुरक्षा में रत्ती भर भी समझौता स्वीकार नहीं करेंगेसादगी की सराहना, मगर सुरक्षा सर्वोपरि- दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद की सुरक्षा व्यवस्था पर होने वाले भारी-भरकम खर्चों में कटौती करने का विचार कर रहे हैं। इस खबर से चिंतित होकर कानपुर के आशुतोष यादव ने पीएम को सीधे पत्र भेज दिया। छात्र ने लिखा कि प्रधानमंत्री की सादगी, त्याग और मितव्ययिता की भावना पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है, लेकिन वर्तमान वैश्विक माहौल को देखते हुए उनकी सुरक्षा देशहित में सबसे ज्यादा जरूरी है।

अब युद्ध का चेहरा बदल चुका;वायुसेना के नए योद्धाओं को रक्षा मंत्री ने दिया AAA का मंत्र

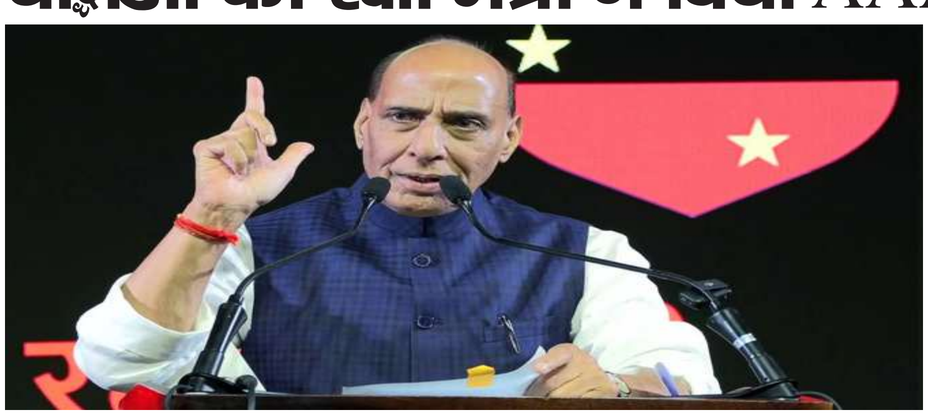

हैदराबाद स्थित एयर फोर्स अकादमी में आयोजित संयुक्त स्नातक परेड में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नए वायुसेना अधिकारियों को एडाप्ट, अडॉप्ट और अमेंड का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और ड्रोन, सैटेलाइट, सेंसर व साइबर तकनीकें नई चुनौतियां पैदा कर रही हैं। उन्होंने कैडेट्स से भविष्य की युद्ध रणनीतियों को समझकर राष्ट्र सुरक्षा में योगदान देने का आह्वान किया। आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप और नई तकनीकों से पैदा हो रही चुनौतियों के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय वायुसेना के नए अधिकारियों को भविष्य के युद्ध के लिए तैयार रहने का संदेश दिया है। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित एयर फोर्स अकादमी में 217वें कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) को संबोधित करते हुए उन्होंने कैडेट्स को एडाप्ट, अडॉप्ट और अमेंड का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि आज की लड़ाइयां केवल सैनिकों और हथियारों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ड्रोन, सैटेलाइट, सेंसर, रोबोटिक्स और साइबर तकनीकें युद्ध का स्वरूप बदल रही हैं।रक्षा मंत्री ने प्रशिक्षण पूरा करने वाले कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण समाप्त हुआ है, लेकिन असली जिम्मेदारी अब शुरू होने जा रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना हमेशा देश की सुरक्षा की ढाल और तलवार दोनों रही है। उन्होंने कैडेट्स से कहा कि बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालें, नई तकनीकों को अपनाएं और जरूरत पड़ने पर अपनी रणनीतियों में बदलाव भी करें। उन्होंने यह भी कहा कि केवल मेहनत ही नहीं, बल्कि स्मार्ट वर्क और नवाचार भी भविष्य की सफलता की कुंजी होंगे। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में भारतीय वायुसेना की ऐतिहासिक भूमिका को भी याद किया। उन्होंने कहा कि 1947-48 के कश्मीर युद्ध के दौरान श्रीनगर एयरलिफ्ट ने युद्ध की दिशा बदल दी थी। वहीं 1971 के युद्ध में ढाका पर निर्णायक हवाई हमलों ने इतिहास रच दिया था। उन्होंने कहा कि आज के कैडेट्स उसी गौरवशाली परंपरा का हिस्सा बनने जा रहे हैं। यह केवल नौकरी नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का एक बड़ा दायित्व है, जिसे वायुसेना ने हर चुनौती के समय निभाया है।रक्षा मंत्री ने हालिया ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना ने इस अभियान में स्पष्ट रणनीति और सटीक कार्रवाई का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने में वायुसेना की भूमिका बेहद प्रभावी रही। राजनाथ सिंह ने बताया कि इस सफलता के पीछे केवल स्वदेशी रक्षा प्लेटफॉर्म ही नहीं, बल्कि प्रशिक्षित, साहसी और अनुशासित वायुसेना अधिकारियों का भी महत्वपूर्ण योगदान था। उन्होंने कहा कि आधुनिक सैन्य अभियानों की सफलता तकनीक और मानव क्षमता दोनों के संतुलन पर निर्भर करती है। कैसे बदल रहा है आधुनिक युद्ध का स्वरूप?- रक्षा मंत्री ने कहा कि पहले युद्ध में सैनिक और हथियार दो मुख्य तत्व होते थे, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। आज ड्रोन, सैटेलाइट, रडार, सेंसर और रोबोटिक सिस्टम युद्ध का हिस्सा बन चुके हैं। कई बार हमले करने वाला सैनिक और इस्तेमाल किया गया हथियार दिखाई तक नहीं देता। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी परिस्थितियां भी सामने आ सकती हैं, जहां दुश्मन ट्रैफिक सिस्टम, संचार नेटवर्क या सीसीटीवी कैमरों को भी नियंत्रित करने की कोशिश करे। इसलिए नई पीढ़ी के सैन्य अधिकारियों को पारंपरिक युद्ध के साथ-साथ तकनीकी युद्ध की भी पूरी समझ विकसित करनी होगी। भविष्य के योद्धाओं के लिए क्या संदेश दिया गया?- राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया में होने वाला हर संघर्ष एक नई सीख लेकर आता है। उन्होंने कैडेट्स से आग्रह किया कि वे भविष्य की युद्ध प्रणालियों और रणनीतियों को गहराई से समझें। उन्होंने भरोसा जताया कि एयर फोर्स अकादमी में मिला प्रशिक्षण उन्हें अनिश्चित और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वही सेनाएं सफल होंगी जो तेजी से बदलती तकनीकों को समझकर उनका प्रभावी उपयोग कर सकेंगी। इसी सोच के साथ भारत अपनी सैन्य क्षमताओं को लगातार आधुनिक बना रहा है।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ नए सेना प्रमुख नियुक्त, वर्तमान COAS जन. द्विवेदी की जगह लेंगे

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ देश के अगले सेना प्रमुख होंगे। वे वर्तमान चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (छ्व्हस्) जनरल द्विवेदी की जगह लेंगे। जनरल द्विवेदी 30 जून 2026 से पद संभालेंगे। सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को अगला सेना प्रमुख नियुक्त किया है। वह वर्तमान में सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। धीरज सेठ 30 जून, 2026 की दोपहर से अपना पदभार संभालेंगे। वर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी उसी दिन सेवानिवृत्त होंगे। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। उन्हें दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन मिला था। उनका सैन्य कॅरिअर लगभग चार दशकों तक फैला हुआ है। उन्होंने परिचालन, रणनीतिक और क्षमता विकास सहित कई क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त किया है। उन्होंने भारतीय सेना की युद्धक क्षमता और दीर्घकालिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अधिकारी ने विभिन्न परिचालन वातावरणों में हर स्तर पर कमान संभाली है। उनके कमांड असाइनमेंट में डेजर्ट सेक्टर में एक आर्मर्ड रेजिमेंट शामिल है। उन्होंने पश्चिमी थिएटर में एक आर्मर्ड ब्रिगेड की भी कमान संभाली है। जम्मू कश्मीर म एक काउं- इंसर्जेंसी

फोर्स का नेतृत्व भी किया है। लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में उन्होंने सुदर्शन चक्र कोर की कमान संभाली।उन्होंने दिल्ली एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में भी कार्य किया।

इस दौरान उन्होंने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सैन्य गतिविधियों की देखरेख की। साथ ही कई औपचारिक जिम्मेदारियां भी निभाईं। सेना कमांडर के पद पर पदोन्नत होने के बाद उन्होंने दक्षिण पश्चिमी कमान संभाली। इसके बाद उन्होंने दक्षिणी कमान का नेतृत्व किया। यह दो परिचालन सेना कमानों की कमान संभालने का दुर्लभ सम्मान है। उन्होंने ढाई साल से अधिक समय तक महत्वपूर्ण थिएटरों में रणनीतिक निगरानी प्रदान की।धीरज सेठ को सेना के आधुनिकीकरण में उनके योगदान के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। उन्होंने सेना मुख्यालय में रणनीतिक योजना और क्षमता विकास में महत्वपूर्ण नियुक्तियां संभाली हैं। उन्होंने आधुनिकीकरण की दिशा और क्षमता रोडमैप को आकार दिया है। उनके योगदान ने परिचालन आवश्यकताओं को उभरती प्रौद्योगिकियों से जोड़ा है। भविष्य के युद्धक्षेत्र की अनिवार्यताओं के साथ तालमेल बिठाने में भी मदद की है। उन्होंने दीर्घकालिक बल संरचना पहल में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सैन्य शिक्षा और रणनीतिक दृष्टिकोण- एक कुशल सैन्य पेशेवर के तौर पर धीरज सेठ ने सैन्य शिक्षा में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने विभिन्न पाठ्यक्रमों में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। वह हायर कमांड कोर्स और नेशनल डिफेंस कॉलेज के स्नातक हैं। उन्होंने पेरिस में प्रतिष्ठित कमांड एंड स्टाफ कोर्स में भी भाग लिया है। यह उनकी व्यापक रणनीतिक सोच को दर्शाता है। साथ ही समकालीन सैन्य मामलों की उनकी गहरी समझ को भी प्रदर्शित करता है।

बेटी सबकी होती है : अखिलेश की बेटी पर टिप्पणी मामले में तुरंत FIR करवाई, आजमगढ़ में बोले सीएम योगी

आजमगढ़ में जनसभा के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बेटियों पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा।मैं पिछले दिनों देख रहा था। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ कुछ लोगों ने गलत टिप्पणियां की थीं। जैसे मेरे संज्ञान में आया। पुलिस से मैंने कहा इसमें एफआईआर दर्ज कराओ, बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। बेटी, बेटी होती है और हम तो संस्कार में हैं। उक्त बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही।%चेले-चपाटों को भी थोड़ा उपदेश दे दो%- उन्होंने कहा कि कहा जाता है कि गांव की बेटी सबकी बेटी, गांव की बहन सबकी बहन है। हमने तो कोई भेदभाव नहीं किया, लेकिन अखिलेश जी दूसरों को उपदेश देते हो, अपने चेले-चपाटों को भी थोड़ा उपदेश दे दो कि अपनी भाषा को संयम कर लें। दूसरों के प्रति टिप्पणी करने के पहले स्वयं भी सोचा करो कि आपके लोग इस प्रकार की भाषा का प्रयोग बहन और बेटियों के प्रति बुजुर्गों के प्रति, दिवंगत लोगों के प्रति और वरीष्ठ नेताओं के प्रति करते हैं। इसके बारे में उनको भी संस्कारित करने की आवश्यकता है। अच्छा होगा उनको समझाओ और नहीं समझ सकते तो हमारे हवाले कर दो। हम उनको अच्छी तरह समझा देंगे। बेटी की शिक्षा और बेटी की शादी की स्कीम भी हमारे पास है%- सीएम योगी ने कहा कि आज बेटी की शिक्षा और बेटी की शादी की स्कीम भी हमारे पास है। 2017 और 2014 के पहले क्यों नहीं हुआ? एक्सप्रेस-वे 2017 के पहले क्यों नहीं बन पाया? ये विश्वविद्यालय भी पहले क्यों नहीं बन पाया? नर्सिंग कॉलेज क्यों नहीं बन पाया? कारण था करने की इच्छा शक्ति नहीं थी। युवाओं को नौकरी क्यों नहीं मिल पाई? कनेक्टिविटी इतनी अच्छी क्यों नहीं आ पाई थी? गोरखपुर जाने के लिए आसपास का व्यक्ति यहां से चलता है तो एक घंटे में गोरखपुर, मात्र डेढ़ से 1.75 घंटे में वाराणसी पहुंचता है, ढ़ाई घंटे में लखनऊ पहुंचता है। %बिना भेदभाव के शासन की योजना से भी लोगों को जोड़ेंगे%- कहा कि हमने गति बढ़ाने का काम, हर गरीब को सिर ढकने के लिए छत, हर गरीब के घर में शौचालय, हर बेटी की सुरक्षा की व्यवस्था, हर व्यापारी को भी सुरक्षा की व्यवस्था किया है। हम बिना भेदभाव के सुरक्षा देंगे। बिना भेदभाव के शासन की योजना से भी लोगों को जोड़ेंगे। लेकिन अगर किसी ने गरीब की जमीन को हड़पने का काम किया, बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाया और किसी व्यापारी के साथ भी जबरदस्ती करने का काम किया तो फिर हम उसकी गारंटी नहीं ले पाएंगे।

संपादकीय Editorial

The Existence of Villages

These days, discussions in the state are focused on local bodies, and discussions are beginning to focus on rural and urban economies. Assuring newly elected representatives in Narkanda, the Chief Minister stated that the government will make Panchayat areas self-reliant. The definition of a village is remembered only during elections, but the political landscape shifts afterward. However, the very existence of a village in Himachal is changing its scale. Previously, the village community was identified with the rural economy, where handicrafts, cottage industries, agriculture, horticulture, and dairy production provided a permanent identity. Surprisingly, employment and government jobs have created a new market for rural dependence. Now, villages can be found where 80% of the population has moved away from farms. Agricultural costs in Himachal have risen significantly, and stray animals and wild animals have forced agriculture to abandon them. Therefore, stray animals are the primary issue. To ensure the safety of farmers and gardeners, they must protect themselves from wild animals, especially monkeys. So far, there appears to be no campaign against monkeys that provides relief. As a result, many villages have found people who have abandoned farming altogether. Irrigation systems in villages have also deteriorated. Increasing encroachment on traditional canals, drains, and rivers, and work under MNREGA, have taken away traditional irrigation systems from farmers. Despite this, the vision of the Blue and White Revolutions has made a difference. The Sukhu government has provided numerous incentives and exemptions to fishermen, conveying the message that additional income can be assured by building fish ponds privately, along with our artificial dam projects. Similarly, by increasing the purchase price of milk, the current government has opened the eyes of this business. The dreams taking shape under the state's largest dairy plant in Dhagwar are showing results, with milk collection volumes increasing by 20,000 to 25,000 liters in Kangra alone. Furthermore, solar energy projects have also expanded the scope for profitable projects using rural land. Progressive women in Himachal's villages have formed self-help groups and discovered markets for local produce, coarse grains, various food products, and traditional arts and crafts. The vision of some MLAs has uncovered possibilities for sustainable improvement of the rural economy. In the Kandi area of ??Shahpur, MLA Kewal Singh Pathania discovered land for trout production, and now many youth from this region have taken up self-employment through this business. We have repeatedly suggested in these columns that if the government emphasizes rural tourism, it would be a major step towards self-reliance. If governments identify at least one tourist village in each assembly constituency, these tourist villages will develop and promote self-employment through rural development projects and budgets from various departments. Some will focus on fisheries, some on irrigation projects, some on forests, some on agro-tourism through the Agriculture and Horticulture Department, some on local art products through the Arts and Culture Department, and some on haat bazaars established with the help of the Agricultural Marketing Board.

The Growing Irrelevance of the Opposition

Opposition parties have been on the back foot recently, protesting against the implementation of 33 percent reservation for women in Parliament and state assemblies. The opposition's irrelevance is a cause for concern, as is the rise of the "BJP system." The lack of constructive criticism and a reliance on accusations and counter-accusations are the reasons the opposition will retain its relevance. The growing irrelevance of the opposition in the country is a matter of concern. Whether it's the Congress or the Trinamool Congress, the DMK or the RJD or the BJD, the SP or the BSP, the Shiv Sena, the NCP, the AAP, or the Left parties, all are concerned about their irrelevance. The opposition faced the same crisis at the time of independence. The Congress ruled at the center and in all states. In a sense, the entire country was the Congress. The Congress was not a party, but a national movement. In independent India, Gandhi decided to dissolve the Congress and transform it into the Lok Sevak Sangh. Nehru and Patel were opposed to this. They were about to announce this on the day Gandhi was assassinated. This proposal was published in the Harijan issue of February 15, 1948, after his death. As a result, the Congress party held absolute power from 1947 to 1967. The opposition was nominal, consisting of those who had left the Congress. Political scholar Rajni Kothari called this the "Congress system." This meant that while the country was supposedly a multi-party democracy, only one party, the Congress, held sway. Eight decades later, a similar situation is emerging. Today, the BJP is dominant. BJP or NDA-led governments are in power at the center and in 21 states, while the Congress has been reduced to four states: Telangana, Himachal Pradesh, Karnataka, and Kerala. The country may have moved from the Congress system to the BJP system, but there's a difference: during the Congress system, the opposition, though few in number, included knowledgeable, powerful orators, and serious critics like A.K. Gopalan, Shyama Prasad Mukherjee, J.B. Kripalani, Ashok Mehta, N.G. Ranga, Piloo Modi, Ram Manohar Lohia, Atal Bihari Vajpayee, Balraj Madhok, Minoo Masani, and Madhu Limaye, who would challenge the government with arguments and facts and suggest alternatives. However, today's opposition leaders, instead of criticizing government policies and decisions, resort to accusations, insinuations, slander, and ridicule. They do so without suggesting better alternative policies and decisions. Listening to the opposition during the Congress system was a pleasant experience. Today, the opposition is rendering itself irrelevant through noise and incoherent rhetoric. It's sad for the Congress party to be deprived of its power after ruling the country for so long, but it hasn't taken any concrete steps to regain its lost glory. At the time of independence, the Congress party was an inclusive party. All social classes were Congress members, but the Congress never gave these social classes adequate representation in the government and organization, gradually alienating them. Furthermore, the Congress sidelined its own capable leaders due to nepotism. Otherwise, why are Nehru, Indira, Rajiv, Sonia, and now Rahul and Priyanka Gandhi established as the Congress's top leadership? Does the Congress party not see any other leader within the party capable of leadership? If the Congress has suffered a defeat at the national level, the blame lies with itself. The BJP or other parties cannot be held accountable for reforming the Congress party. The opposition attempted "political engineering" at the national level for the 2024 elections, forming alliances, but its leaders, driven by political expediency, resorted to the "love you, fight you" formula, and today their plight is well known. The Bengal Assembly election results are a vivid proof of this. Today, the BJP has firmly established its foothold, and understanding the reasons for this is no rocket science. The party has won the public's trust and, to achieve this, has employed the inclusive principle of "Sabka Saath, Sabka Vikas" with remarkable success. The BJP has shattered the myth of caste politics and initiated class politics, in which women, youth, farmers, and the poor—all castes—are receiving full benefits through Jan Dhan and DBT. The party has given due place and respect to all these classes, all castes, and sects in the power structure. The biggest challenge of democracy is that no matter how good a government's work, it must also give the public and its various constituents a place and respect within the power structure. Unfortunately, opposition parties have not adopted this formula. They practice caste arithmetic and identity politics. Even today, the Samajwadi Party in Uttar Pradesh practices PDA politics. It does not call for everyone's participation. Why? Why does Mayawati only want to play Dalit politics? Keep in mind that they came to power in 2007 when they made a U-turn from "Bahujan to Sarvajan." Why did the Trinamool Congress suffer defeat in Bengal? All political parties must understand that the time for caste- and sect-based "identity politics" is over. Now is the time to move beyond it. Opposition parties have been on the back foot recently due to their opposition to the implementation of 33 percent reservation for women in Parliament and state assemblies. The BJP may also be considering countering the opposition's opposition on this issue, but there is no constitutional solution yet. Everyone will have to wait for the census and delimitation, but the opposition has an option. If opposition parties decide to allocate 33 percent of their tickets to women, they can still win the trust of women. The BJP will likely not want to lag behind in this regard. Only those parties which emerge from this politics and are equipped with inclusive politics and the skill of winning over half the population will be able to maintain their relevance in the future.

Education should be free from colonial influences.

Indian wisdom and concepts must be incorporated into education in a contextual manner, enabling us to meet our needs and challenges without becoming an additional burden. Decolonization in higher education should be based on Indian knowledge. Promote Indian languages ??and original thinking in the curriculum. Abandon the Eurocentric model and adopt a self-reliant education system. Discussions about decolonization frequently arise among intellectuals in India, but they fail to reach any conclusion. It is important to note that whenever a decolonization campaign is launched, its foundation must be Indian. Recognizing this fact, we must prioritize developing curricula for contemporary higher education institutions in India, their products, research efforts, and graduates. In this context, the need to revitalize higher education curriculum through innovation has long been felt, but no concrete steps have been taken. This trend will always hinder efforts at indigenous development. Even so many years after independence, dismantling the colonial hold on the country's educational system is proving to be a daunting task. Currently, the curricula of many Indian institutions do not fully reflect the realities of the Indian perspective or the understanding of its problems. Efforts to decolonize Indian knowledge within higher institutions can only be explicitly and actively supported if students are taught how to pursue a path of originality. They must also be educated to think in the direction of unique and specific solutions for Indian conditions. Only by decolonizing the current Indian knowledge system will complete independence be possible. Now, before initiating innovative ideas and programs, one must be epistemologically free to think. Epistemological liberation gives rise to mental, emotional, and psychological freedom. Higher educational institutions have lost their grasp of the dynamics of Indian thought. A key reason for this is the failure to develop Indian languages ??to accommodate knowledge. Even today, English remains the authoritative language and dominates the world of knowledge. Thinking in Hindi and other Indian languages ??while mentally translating those thoughts into English is not only time-consuming, but often ineffective and inauthentic. The opportunity for original thinking is also lost because we have imported our ideas and their concepts from abroad, and without fitting them into them, the process of thinking cannot even begin. The failure to institutionalize Indian languages ??in intellectual endeavors, teaching processes, and research in our educational institutions is a major obstacle to originality. There are good reasons to believe that many countries that are making leaps in technological advancement, progressing in invention, and breaking the boundaries of academic excellence are those that have adapted and developed their educational curriculums. Unfortunately, we have confined our thinking within the limitations inherited from Western education. Furthermore, we are not sufficiently eager to explore practical and useful alternatives. Whatever the case, our immersion in Eurocentric knowledge models has led to the continued colonization of our thinking and has consistently hindered the indigenous development efforts required for a self-reliant nation. In addition to preserving Indian culture and incorporating those ideas and principles into contemporary research and conceptual realities, Indian universities must systematically expand existing curricula and educational programs to faithfully reflect Indian intellect and epistemology. Only then will they be able to empower the nation to become capable and prepared. Our curricula and their evaluation systems must be able to question and expand the rationale and critique underlying the Indian worldview. These curricula must engage the interest of students and the public in a way that does not merely fulfill the formalities of selecting names from the Indian knowledge tradition, but rather inspires them to think through them. To this end, it is essential that they also invoke their own and national consciousness. Indian wisdom and concepts must be incorporated into education in a natural, relevant way, enabling us to meet our needs and challenges without becoming an additional burden. Therefore, revitalizing higher education curricula by incorporating and incorporating new ideas has become not only necessary but also imperative. Such steps are crucial in this era of globalization because they will help shape conceptual structures that can enhance the position of Indians in the global knowledge community.

मुरादाबाद में चामुंडा मंदिर की जमीन पर बनी अवैध मजार ध्वस्त, लंबे समय से चल रहा था विवाद

मुरादाबाद के भोजपुर में चामुंडा मंदिर की भूमि पर बनी अवैध मजार को प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। ग्रामीणों की शिकायत और जांच में अवैध पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई, जिससे लंबे समय से चला आ रहा विवाद समाप्त हुआ।भोजपुर में चामुंडा मंदिर की भूमि पर अवैध मजार ध्वस्त। राजस्व टीम और पुलिस बल ने बुलडोजर से की कार्रवाई। ग्रामीणों की शिकायत पर डीएम के निर्देश पर हुई कार्रवाई।

भोजपुर में चामुंडा मंदिर की भूमि पर बनी अवैध मजार शुक्रवार को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दी गई। पुलिस फोर्स संग पहुंची राजस्व की टीम की ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। हिदायत भी दी कि दोबारा ऐसा कोई प्रयास करता है तो उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। धारकनगला का मामला, लंबे समय से चल रहा था विवाद- मामला भोजपुर के धारकनगला गांव का है। ग्रामीणों ने बीते दिनों डीएम से शिकायत की थी। बताया कि गांव में चामुंडा मंदिर देवोत्थान है। हिंदू समाज के लोग वहां पूजा-पाठ करते हैं। दो साल पहले वहां अवैध मजार की बुनियार बढ़ी। विरोध हुआ, मगर कार्रवाई ना होने के चलते धीरे-धीरे मजार को पक्का बना दिया गया है।टीनशेड डालने के साथ इंवर्टर लगाकर बिजली की भी व्यवस्था कर ली गई। इससे हिंदू समाज के लोगों का अपने ही देवत्थान पर जाना मुश्किल हो गया। डीएम से हुई थी शिकायत- गांव में दोनों संप्रदायों के बीच तव की स्थिति बन गई। आय दिन विवाद की स्थिति पर पुलिस को पिकेटिंग तक करनी पड़ी। गंभीर प्रकरण पर डीएम ने तत्काल मामले में जांच कर रिपोर्ट तलब की। तहसील की ओर से की गई जांच में बताया गया कि ग्राम धारकनगला में गाटा 148 में चामुंडा की भूमि दर्ज है। टीम ने बनी मजार को अवैध बताया।जांच के बाद की गई कार्रवाई- रिपोर्ट डीएम को सौंपी गई। रिपोर्ट के बाद डीएम ने मामले में कार्रवाई के निर्देश दिये। शुक्रवार को नायब तहसीलदार लोकेश कुमार, लेखपाल सुनील कुमार शर्मा व भोजपुर पुलिस फोर्स संग मौके पर पहुंचे और बुलडोजर से अवैध मजार को ध्वस्त करा दिया। इससे पहले पांच जून को डिडोरी गांव में तालाब में दर्ज भूमि पर बनाई गई अवैध मस्जिद भी ध्वस्त कराई जा चुकी है। डीएम डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने बताया कि अवैध कब्जे व निर्माण पर कार्रवाई जारी रहेगी।

आयुष्मान पैनल के नियमों में बड़ा बदलाव: अब बिना 50 बेड और NABH के नहीं मिलेगा एंट्री, छोटे अस्पतालों की टेंशन

आयुष्मान भारत योजना के तहत निजी अस्पतालों के पंजीकरण नियमों में बड़ा बदलाव किया गया है, जिसमें अब नए अस्पतालों के लिए 50 बेड और NABH प्रमाणपत्र अनिवार्य होगा। मौजूदा अस्पतालों को भी छह माह में NABH प्रमाणन प्रस्तुत करना होगा।आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के तहत निजी अस्पतालों के पंजीकरण नियमों में बड़ा बदलाव किया गया है। स्टेट एजेंसी फार काम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) ने गुणवत्ता मानकों को सख्त करते हुए अब आयुष्मान योजना में शामिल होने के लिए निजी अस्पतालों में कम से कम 50 बेड होना अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही अस्पतालों के लिए नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फार हास्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (एनएबीएच) का प्रमाणपत्र भी जरूरी होगा। नई व्यवस्था के तहत मुरादाबाद समेत प्रदेश के 10 जनपदों में यह नियम लागू किया गया है। अब कोई भी नया निजी अस्पताल तभी आयुष्मान योजना के पैनल में शामिल हो सकेगा, जब वह 50 बेड और एनएबीएच प्रमाणन की शर्त पूरी करेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि इस निर्णय का सबसे अधिक असर छोटे और मध्यम श्रेणी के अस्पतालों पर पड़ेगा।जिनके लिए इतनी बड़ी क्षमता और मान्यता हासिल करना आसान नहीं होगा। साचीज ने पहले से योजना में पंजीकृत अस्पतालों को भी राहत के साथ सख्त चेतावनी दी है। ऐसे अस्पतालों को छह माह के भीतर एनएबीएच प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।निर्धारित समय में प्रमाणपत्र जमा नहीं करने वाले अस्पतालों का अनुबंध समाप्त कर उन्हें आयुष्मान योजना के पैनल से बाहर कर दिया जाएगा। वर्तमान में मुरादाबाद जनपद में 107 निजी अस्पताल आयुष्मान भारत योजना से संबद्ध हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, नई व्यवस्था का उद्देश्य लाभार्थियों को बेहतर, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है। पर्याप्त आधारभूत सुविधाएं, प्रशिक्षित स्टाफ और गुणवत्ता मानकों का पालन करने वाले अस्पतालों को ही योजना से जोड़ा जाएगा। एनएबीएच प्रमाणन से अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण, रिकार्ड प्रबंधन और उपचार की गुणवत्ता में सुधार आता है। 50 बेड की अनिवार्यता के कारण बड़ी संख्या में अस्पताल योजना से बाहर हो सकते हैं, जिससे मरीजों के विकल्प सीमित हो जाएंगे। आयुष्मान नोडल अधिकारी डॉ. आरके शर्मा ने बताया कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद जिले में आयुष्मान योजना से जुड़ने की तैयारी कर रहे कई अस्पतालों के आवेदन प्रभावित होने की संभावना है। ऐसे अस्पताल जो निर्धारित मानकों को पूरा नहीं कर पाएंगे, उनके आवेदन सीधे खारिज कर दिए जाएंगे।

अमरोहा में तेज बारिश ने खोली तैयारियों की पोल, जलभराव और बिजली संकट से जनजीवन प्रभावित

अमरोहा जिले में तेज हवाओं के साथ हुई कुछ घंटों की मूसलाधार बारिश ने नगर निकायों और प्रशासन की मानसून पूर्व तैयारियों की वास्तविकता उजागर कर दी। जिले के मंडी धनौरा, गजरौला, बछरायूं, हसनपुर और अमरोहा नगर क्षेत्रों में जलभराव, बिजली आपूर्ति बाधित होने और अव्यवस्थित जल निकासी व्यवस्था के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में तेज हवाओं के साथ हुई कुछ घंटों की मूसलाधार बारिश ने नगर निकायों और प्रशासन की मानसून पूर्व तैयारियों की वास्तविकता उजागर कर दी। जिले के मंडी धनौरा, गजरौला, बछरायूं, हसनपुर और अमरोहा नगर क्षेत्रों में जलभराव, बिजली आपूर्ति बाधित होने और अव्यवस्थित जल निकासी व्यवस्था के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। तेज हवाओं से गिरे पेड़ और होर्डिंग्स- गुरुवार देर रात मौसम के अचानक बदले मिजाज के बीच तेज आंधी और भारी बारिश ने पूरे जिले को प्रभावित किया। कई स्थानों पर तेज हवाओं के कारण पेड़ और होर्डिंग्स गिर गए। हालांकि बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली, लेकिन इसके साथ ही स्थानीय निकायों की तैयारियों पर गंभीर सवाल भी खड़े हो गए। बारिश शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर विभिन्न नगर क्षेत्रों की सड़कें जलमग्न हो गईं। निकासी व्यवस्था ठप नालों और नालियों के ओवरफ्लो होने से नाले और नालियां ओवरफ्लो, कई स्थानों पर जल गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा। कई स्थानों पर जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह विफल नजर आई। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को देर रात तक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हर वर्ष बड़े स्तर पर खर्च किए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति में कोई सुधार दिखाई नहीं देता।महादेव मंदिर सरोवर से होकर गुजरने वाले बाढ़ खंड नाले और ड्रेनेज सिस्टम के अवरुद्ध होने के कारण निचले इलाकों में गंदा पानी घरों तक पहुंच गया। तेज आंधी और बारिश के चलते विद्युत आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई। तकनीकी खराबियों के चलते कई क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति बाधित- सुरक्षा ारणों और तकनीकी खराबियों के चलते कई क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति बाधित कर दी गई। दर्जनों ट्रांसफार्मरों और विद्युत लाइनों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। परिणामस्वरूप अमरोहा जिले के कई हिस्से रातभर अंधेरे में डूबे रहे। लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से घरों में लगे इनवर्टर भी जवाब दे गए, जिससे लोगों को पेयजल संकट का भी सामना करना पड़ा। शुक्रवार को भी कई क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था सामान्य नहीं हो सकी। मौसम विभाग ने जताई यह संभावना- मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी तेज हवाओं और बारिश की संभावना जताते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है। ऐसे में नागरिकों का कहना है कि यदि नगर निकाय सामान्य बारिश की स्थिति से प्रभावी ढंग से नहीं निपट पा रहे हैं, तो मानसून के दौरान संभावित गंभीर परिस्थितियों से निपटना बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। बारिश के बाद उत्पन्न हालात ने एक बार फिर शहरी बुनियादी ढांचे, जल निकासी व्यवस्था और आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की आवश्यकता को रेखांकित किया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान और विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग की है।

यात्रियों की सुरक्षा: यूपी में बढ़ेगा जीआरपी का कुनबा, हर थाने को मिलेंगे 20 पुलिसकर्मी, एक साल तक होगी तैनाती

रेलवे यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जीआरपी के प्रत्येक थाने को हर साल यूपी पुलिस से करीब 20 अतिरिक्त सिपाही और दरोगा मिलेंगे। यह पुलिसकर्मी एक वर्ष तक जीआरपी में सेवाएं देंगे। इससे ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा बढ़ेगी तथा अधिक ट्रेनों में एस्कॉर्ट तैनात किए जा सकेंगे।यूपी में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) का कुनबा जुगाड़ से बढ़ाया जाएगा। एक अप्रैल 1937 को गठन के बाद से जीआरपी में पदों की संख्या अधिक नहीं बढ़ाई गई है। जबकि साल दर साल ट्रेनों की संख्या और उनमें सफर करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ती जा रही है।ऐसे में अब जीआरपी के हर थाने को हर वर्ष सिविल पुलिस से करीब 20 सिपाही और दरोगा मिलेंगे। जीआरपी के थानों और चौकियों में इनका कार्यकाल सिर्फ एक वर्ष का होगा। इस दौरान वेतन और अन्य सुविधाएं सिविल पुलिस से ही मिलेंगी। मूल तैनाती भी सिविल पुलिस के किसी थाने में ही होगी लेकिन काम जीआरपी के लिए करेंगे।इनके अलावा प्रदेश में पहले से स्वीकृत करीब 5200 पदों पर व्यवस्था यथावत रहेगी। इन पदों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती तीन वर्ष के लिए ही होगी। उन्हें वेतन और अन्य सुविधाएं भी जीआरपी से मिलती रहेंगी। पिछले वर्ष मुरादाबाद दौरे पर आए एडीजी रेलवे प्रकाश डी. ने जीआरपी की स्ट्रेंथ बढ़ाने के लिए सिविल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मंथन की जानकारी साझा की थी। अब मंथन का निष्कर्ष यह निकला है कि प्रदेश में जीआरपी के सभी थानों में अतिरिक्त सिपाही और दरोगा सिविल पुलिस से भेजे जाएंगे। राजकीय रेलवे पुलिस को पूरे प्रदेश में दो जोन और छह अनुभागों में बांटा गया है। इसमें लखनऊ और इलाहाबाद जोन शामिल हैं। लखनऊ जोन में लखनऊ, मुरादाबाद और गोरखपुर अनुभाग आते हैं।जबकि इलाहाबाद जोन में इलाहाबाद, आगरा और झांसी अनुभाग आते हैं। इस तरह पूरे प्रदेश में जीआरपी के कुल 665 थाने और 43 रिपोर्टिंग चौकियां हैं। सबसे अधिक 14 थाने मुरादाबाद जोन में हैं। इसके बाद लखनऊ में 13, आगरा में 12, गोरखपुर में 11, झांसी में आठ और इलाहाबाद अनुभाग में सात थाने हैं। मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से रोजाना करीब 150 ट्रेनें गुजरती हैं। जीआरपी का कुनबा बढ़ने के बाद हर ट्रेन में एस्कॉर्ट की तैनाती हो सकेगी। वर्तमान में प्रदेशभर में स्वीकृत बल की पदवार स्थिति- पद संख्या इंस्पेक्टर 7 5 सब-इंस्पेक्टर 366 हेड कांस्टेबल581 कांस्टेबल 4,029 चालक एवं सहायक स्टाफ 88 कुल 5,139 स्रोत- यूपी जीआरपी की आधिकारिक वेबसाइट- जीआरपी की स्ट्रेंथ बढ़ाने के लिए हर जिले से करीब 20 सिपाही और दरोगा हमें मिल रहे हैं। यह जीआरपी के लिए कार्य करेंगे लेकिन वेतन सिविल पुलिस जारी करेगी। नगीना, बदायूं आदि थानों पर सिविल पुलिस से कर्मचारी आ गए हैं। जल्द ही सभी थानों में आएंगे। इससे हम स्टेशनों और ट्रेनों में बेहतर सुरक्षा व सेवाएं दे पाएंगे। - आशुतोष शुक्ला, एसपी जीआरपी

संक्षिप्त समाचार

RRB-NTPC परीक्षार्थियों के लिए मुरादाबाद से चलेंगी 4 स्पेशल ट्रेनें, आज से 15 जून तक मिलेगी सुविधा

ये ट्रेनें परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में मदद करेंगी, जिनमें मुरादाबाद-देहरादून और बरेली-गाजियाबाद मार्ग शामिल हैं।आरआरबी एनटीपीसी परीक्षार्थियों के लिए चार विशेष ट्रेनें चलेंगी। मुरादाबाद रेल मंडल द्वारा 12 से 15 जून तक संचालन। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में मिलेगी सुविधा।आरआरबी एनटीपीसी परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों और यात्रियों की सुविधा के लिए मुरादाबाद रेल मंडल ने चार विशेष अनारक्षित परीक्षा स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। इन ट्रेनों का संचालन 12 से 15 जून तक विभिन्न तिथियों में किया जाएगा, जिससे परीक्षार्थियों को अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में सहूलियत मिल सके। मुरादाबाद-देहरादून, बरेली-गाजियाबाद समेत चार जोड़ी अनारक्षित स्पेशल गाड़ियों का संचालन- वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने बताया कि गाड़ी संख्या 04321 मुरादाबाद-देहरादून अनारक्षित परीक्षा स्पेशल 12, 13 और 14 जून को रात 10 बजे मुरादाबाद से चलेगी और अमरोहा, गजरौला, बिजनौर, लक्सर, हरिद्वार होते हुए सुबह 6ः15 बजे देहरादून पहुंचेगी। इसके वापसी फेरे में गाड़ी संख्या 04322 देहरादून-मुरादाबाद स्पेशल 13, 14 और 15 जून को संचालित होगी।इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04323 बरेली-गाजियाबाद अनारक्षित परीक्षा स्पेशल 12, 13 और 14 जून को बरेली से चलेगी तथा रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा और हापुड़ होते हुए गाजियाबाद पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04324 गाजियाबाद-बरेली स्पेशल 13, 14 और 15 जून को संचालित की जाएगी। सभी विशेष गाड़ियों में यात्रा अनारक्षित श्रेणी में उपलब्ध रहेगी। सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या होने पर यात्री रेल वन ऐप या हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

अब स्कूलों में ही पकेगा ताजा भोजन, संस्थाओं की सप्लाई बंद

मुरादाबाद के स्कूलों में अब छात्रों को परिसर में ही पका हुआ ताजा मध्याह्न भोजन मिलेगा। यह व्यवस्था 16 जून से शुरू होगी, जिसमें अनियमितताओं के कारण स्वयंसेवी संस्थाओं की आपूर्ति बंद कर दी गई है।ग्रीष्मावकाश खत्म होने के बाद नगर क्षेत्र के स्कूलों में ही नौनिहालों को परिसर में पकाकर ताजा भोजन खिलाया जाएगा। इसके लिए नये बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित सिंह ने सभी विद्यालयों को जिलाधिकारी के निर्देशों के पालन में तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। जिले के सभी परिषदीय विद्यालयों में 16 जून से मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) विद्यालय स्तर पर होना है। इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित सिंह ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल पूरी कराने के निर्देश दिए हैं।बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित नगर क्षेत्र के विद्यालयों में अब विद्यार्थियों को परिसर में ही पका हुआ ताजा भोजन खाने को मिलेगा। परिसर में इसके इंतजाम करने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी को शुक्रवार को पत्र जारी कर बेसिक शिक्षा अधिकारी ने निर्देश कर दिये हैं।उन्होंने इसके लिए विद्यालयों को मध्याह्न भोजन निधि से बर्तन, गैस चूल्हा, सिलेंडर, तेल-मसाले समेत अन्य आवश्यक सामग्री खरीदने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही छात्र संख्या के अनुसार रसोइयों का चयन भी किया जाएगा। बीएसए अमित सिंह ने जारी पत्र में बताया है कि अब तक स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से भोजन वितरण की व्यवस्था चल रही थी, लेकिन जिलाधिकारी की अनुमति के अनुसार यह व्यवस्था 20 मई 2026 तक ही जारी रखी गई थी। विद्यालय खुलने के साथ ही अब भोजन विद्यालयों में ही बनाया जाएगा। बीएसए ने चेतावनी दी है कि यदि 16 जून से किसी विद्यालय में तैयारियों के अभाव में भोजन व्यवस्था बाधित होती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ लापरवाही मानते हुए कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

12 साल का विश्वास, विकास और जनकल्याण का सफर...

मोदी सरकार ने बदली भारत की तस्वीर : जेपीएस राठौर

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के सशक्तिकरण को समर्पित रहा मोदी सरकार का कार्यकाल । प्रदेश सरकार के सहकारिता विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जनपद बरेली प्रभारी मंत्री जे0पी0एस0 राठौर ने सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष विश्वास, विकास और जनकल्याण के ऐतिहासिक वर्ष रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक सरकार ने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हित में कई योजनाएं लागू कीं। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, मुफ्त राशन जैसी योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ मिला है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। डिजिटल इंडिया, यूपीआई, एक्सप्रेस-वे, वंदे भारत ट्रेन, हवाई अड्डों के विस्तार और आधार-डीबीटी व्यवस्था ने देश की विकास गति को नई दिशा दी है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सुशासन, सुरक्षा और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ कार्य किया है। किसानों, महिलाओं और गरीब वर्गों को केंद्र में रखकर बनाई गई योजनाओं ने समाज के हर वर्ग को सशक्त किया है।

बरेली जनपद की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि नाथ कॉरिडोर, लिलौर झील विकास, अटल आवासीय विद्यालय, मेगा फूड पार्क और इम्प्लॉयमेंट जोन जैसी परियोजनाओं से जनपद के विकास को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष केवल योजनाओं का लेखा-जोखा नहीं बल्कि नए भारत के निर्माण और विकसित भारत के संकल्प की मजबूत नींव हैं।

इस अवसर पर सांसद छत्रपाल गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, विधायकगण, भाजपा पदाधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री 511 करोड़ रुपये की सड़कों का करेंगे लोकार्पण-शिलान्यास, तैयारी में जुटा प्रशासन

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिले में 511 करोड़ रुपये से अधिक की सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इस दौरान 113 किलोमीटर लंबे 14 मार्गों का लोकार्पण होगा, जिनकी कुल लागत 242 करोड़ रुपये है। विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में 269.63 करोड़ रुपये की 44 सड़कों का शिलान्यास भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री के आगमन से पहले इन परियोजनाओं के शिलापट लगाने की तैयारी चल रही है। लोकार्पण की जाने वाली 14 सड़कों में नवाबगंज, बहेड़ी, मीरगंज, फरीदपुर और आंवला क्षेत्रों के मार्ग शामिल हैं। इनमें नवाबगंज में उद्योग लाजिस्टिक पार्क योजना के तहत 2.56 करोड़ रुपये का कार्य हुआ है। नवाबगंज में बीजामऊ से केसरपुर मार्ग तक 16.35 किमी का चौड़ीकरण 24.90 करोड़ रुपये से किया गया है। बहेड़ी में जहानाबाद रिछा मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण 3.36 करोड़ रुपये की लागत से पूरा हुआ है।आंवला में भमोरा शाहाबाद बिलारी मार्ग के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण पर 149.10 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। मीरगंज में बाढ़ से क्षतिग्रस्त नगरिया कला से कमालपुर संपर्क मार्ग की मरम्मत भी की गई है। फरीदपुर में नहर पटरी का पुनर्निर्माण भी लोकार्पण सूची में शामिल है। नई सड़कों का शिलान्यास-शिलान्यास की जाने वाली 44 सड़कों में बहेड़ी क्षेत्र की कई परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें बहेड़ी-वाहपुर नदेली भड़िया कॉलोनी के दो लेन चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रमुख है। इस पर 50.62 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ग्राम सुकटिया से नौगावां गुरभोज मार्ग का निर्माण 2.20 करोड़ रुपये से होगा। बरेली शहर में स्टेडियम रोड स्थित हार्ट कॉलोनी में नवनिर्माण पर 2.55 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य जिले में सड़क संपर्क को मजबूत करना है। इससे स्थानीय लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से यातायात सुगम होगा। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम से क्षेत्र के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों द्वारा सभी कार्यों का निरीक्षण किया जा रहा है।

49 लाख की ठगी करने वाला शातिर सचिन देहरादून से गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। शेयर मार्केट में एल्गो ट्रेडिंग से मुनाफे का झांसा देकर 49.43 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले मुख्य आरोपी सचिन कुमार को साइबर क्राइम थाना बरेली की टीम ने देहरादून से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से लैपटॉप, 8 डेबिट कार्ड, 8 चेकबुक, 2 मोहर, जियो राउटर समेत ठगी में इस्तेमाल होने वाला पूरा सामान बरामद किया है। पुलिस ने 31 लाख रुपये को लीन/होल्ड भी करा दिया है।

लिंक भेजकर कराया ऐप डाउनलोड, 20 ट्रांजेक्शन में डलवाए 49 लाख ।।।। बरेली के निर्देश पर कृत्तहुई कार्रवाई में पता चला कि 8 जून 2026 को आशीष रोयल पार्क डेंटल कॉलेज निवासी आलोक दूबे ने थाना साइबर क्राइम में शिकायत दी थी। आलोक को एक कॉल आई थी जिसमें SMC ब्रोकिंग ऐप डाउनलोड कराकर KYC कराई गई। 16 जनवरी 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक 20 ट्रांजेक्शन में 49,43,898 रुपये जमा कराए गए। 15% कमीशन और 18% GST के नाम पर भी पैसे ले लिए गए। पैसा मांगने पर ऑडिट और ऐप अपडेट का बहाना बनाकर टाल दिया गया। 31 लाख रुपये कराए होल्ड, फिर देहरादून से दबोचा शिकायत मिलते ही एसएसपी और SP क्राइम के निर्देश पर थाना साइबर क्राइम में मुकदमा 33/2026 धारा 318(4) BNS व 66घ IT एक्ट में दर्ज किया गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 31 लाख रुपये को लीन/होल्ड करा दिया। जांच में मुख्य आरोपी सचिन कुमार पुत्र सकरामबीर सिंह का नाम सामने आया। 12 जून 2026 को देहरादून के सहस्त्रधारा रोड स्थित विश्वनाथ एन्क्लेव से आरोपी को रेलवे स्टेशन रोड के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से 08 डेबिट कार्ड, 01 आधार कार्ड, 01 पैनकार्ड, 01 लैपटॉप, 08 चेकबुक, 02 चेक, 02 पासबुक, 01 DD, 04 डिपॉजिट पे स्लिप, 01 कैश/चेक डिपोजिट स्लिप बुक, 02 चार्जर, 01 रिस्ट वॉच, 02 मोहर, 01 मोबाइल, 02 बुक, 01 कॉपी, 03 मार्कशीट, 01 उधम रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, 01 रेंट एग्रीमेंट, 01 लर्निंग लाइसेंस, 01 जियो राउटर बरामद किए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पॉक्सो एक्ट के वांछित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/शेर सिंह / भुता। भुता क्षेत्र के ग्राम पडोली निवासी पॉक्सो एक्ट के वांछित आरोपी नंदकिशोर पुत्र ओम प्रकाश (24 वर्ष) को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी नंदकिशोर पुत्र ओमप्रकाश उम्र लगभग 24 वर्ष और ओम प्रकाश पुत्र दयाराम (42 वर्ष) के खिलाफ 10 जून 2026 को पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में वांछित चल रहे नंदकिशोर की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई थी। इसी दौरान क्राइम इंस्पेक्टर योगेंद्र यादव ने मुखबिर की सूचना पर पडोली नहर की पुलिया के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अधिक पढ़ा-लिखा नहीं है और मजदूरी करता है। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह बाहर जाने की फिराक में था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

रिक्शा चालक के पेट में घोंपा चाकू, बाहर निकल आईं आंतें : पत्नी के अवैध संबंध में हमले का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। रामलीला गौंटिया मोहल्ला निवासी 35 वर्षीय लालाराम पर दो लोगों ने हमला कर दिया। एक आरोपी ने उनके पेट में चाकू घोंप दिया, जिससे वह गंभीर हालत में घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लालाराम ने अपनी पत्नी के अवैध संबंधों को हमले का कारण बताया है, लेकिन पुलिस को बयानों पर संदेह है। थाना शाही इलाके के दौली जवाहरलाल गांव के मूल निवासी लालाराम इज्जत नगर क्षेत्र के रामलीला गौंटिया मोहल्ले में किराए के मकान में रहकर रिक्शा चलाते हैं और वह परिवार का पालन-पोषण करते हैं। शुक्रवार रात खाना खाने के बाद वह घर के बाहर टहल रहे थे। लालाराम के मुताबिक इस दौरान दो लोगों ने उन्हें रोका और उनकी पिटाई कर दी, फिर उनके पेट में चाकू मार दिया। लालाराम का दावा है कि हमले में उनकी आंतें बाहर आ गईं। परिजनों ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को घटना की सूचना दी। आरोप: मकान मालिक से पत्नी के संबंध - लालाराम के पिता छेदालाल ने हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई है। लालाराम ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी छह महीने से उनसे अलग रह रही है। उनका आरोप है कि पत्नी के मकान मालिक से संबंध हैं। लालाराम को शक है कि उन्हीं लोगों ने उन पर हमला कर हत्या की कोशिश की है। पुलिस को संदेह- पुलिस जांच में मामला अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सका है। लालाराम के बयानों में झोल है। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि कहीं चोट स्वयं तो नहीं पहुंचाई गई। इसका उद्देश्य किसी को फंसाना हो सकता है।

बरेली पुलिस ने दी भावुक विदाई

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए गौरव सिंह और हर्ष मोदी हुए सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। क्षेत्राधिकारी अपराध/आंकिक गौरव सिंह एवं क्षेत्राधिकारी यातायात हर्ष मोदी के गैर जनपद स्थानांतरण पर पुलिस लाइन में गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने दोनों अधिकारियों की कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनपद में दिए गए उल्लेखनीय योगदान की मुक्तकंठ से सराहना की।कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने दोनों अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि गौरव सिंह एवं हर्ष मोदी ने अपने कार्यकाल में अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था एवं पुलिसिंग को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।विदाई समारोह में एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी नॉर्थ मुकेश मिश्रा, एसपी साउथ अंशिका वर्मा, एसपी क्राइम मनीष कुमार, एसपी ट्रैफिक मो. अकमल खान सहित जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।समारोह के अंत में उपस्थित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने दोनों अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, उज्ज्वल भविष्य एवं नई जिम्मेदारियों के सफल निर्वहन की कामना की।

रायफल क्लब में गूंजे निशाने, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

एसएसपी अनुराग आर्य ने खुद साधा निशाना, बढ़ाया हौसला

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जेल रोड स्थित रायफल क्लब में आयोजित तीन दिवसीय शूटिंग चैंपियनशिप के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने अपनी शानदार निशानेबाजी से सबको प्रभावित किया। प्रतियोगिता में बरेली समेत आसपास के कई जिलों से पहुंचे सैकड़ों खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने स्वयं निशाना लगाकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। वहीं एसपी नॉर्थ मुकेश चंद्र ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। शूटिंग जैसे खेलों में युवाओं की बढ़ती रुचि प्रदेश और देश का नाम रोशन करने में मददगार साबित होगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार और सम्मान देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। शूटिंग चैंपियनशिप के दौरान खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन स्थल पर रोमांचक मुकाबलों के बीच खिलाड़ियों ने सटीक निशाने साधकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

आंधी में गिरा विशाल पेड़ नगर आयुक्त के निर्देश पर चंदघंटों में मंदिर परिसर हुआ साफ

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / गुलाब नगर गौरी शंकर मंदिर में श्रद्धालुओं की परेशानी दूर, नगर निगम टीम ने संभाला मोर्चा बरेली। गुलाब नगर स्थित प्रसिद्ध गौरी शंकर मंदिर परिसर में बीती रात आई तेज आंधी-तूफान के चलते एक विशाल पेड़ गिर गया, जिससे श्रद्धालुओं के आवागमन और दर्शन-पूजन में बाधा उत्पन्न हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने तत्काल संज्ञान लेते हुए नगर निगम टीम को मौके पर पहुंचकर कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर निगम की टीम ने तत्परता दिखाते हुए गिरे हुए पेड़ को हटवाकर मंदिर परिसर को साफ कराया। इसके बाद मंदिर परिसर पुनः श्रद्धालुओं के लिए सुचारु रूप से खोल दिया गया। नगर निगम की त्वरित कार्रवाई से श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली और प्रशासनिक तत्परता की सराहना की।

तीन दिन से बिजली-पानी संकट, उपकेंद्रों पर फूटा लोगों का गुस्सा

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / 25 हजार आबादी परेशान; 500 खंभे और 30 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त बरेली। आंधी-बारिश के तीन दिन बाद भी जिले की बिजली व्यवस्था पटरी पर नहीं लौट सकी। बिजली गुल रहने से पानी संकट गहरा गया, जिससे परेशान उपभोक्ताओं ने रामगंगानगर, डीडीपुरम और सीबीगंज बिजली उपकेंद्रों पर पहुंचकर हंगामा किया। रामगंगानगर उपकेंद्र को लोगों ने घेरकर आपूर्ति व्यवस्था ठप करा दी। रामगंगानगर फीडर से जुड़े इलाकों की करीब 25 हजार आबादी दो दिन से बिजली-पानी संकट झेल रही है। शुक्रवार रात उपभोक्ताओं के आक्रोश के बाद मौके पर पहुंचे मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई फीडर प्रभावित रहे। कई इलाकों में खंभे टूटने और ट्रांसफार्मर खराब होने से आपूर्ति बाधित रही। मुख्य अभियंता ने बताया कि आंधी-बारिश से करीब 500 बिजली खंभे, 30 ट्रांसफार्मर और 200 पेड़ क्षतिग्रस्त हुए हैं। विभाग के अनुसार नुकसान दो करोड़ रुपये से अधिक है और प्रभावित फीडरों को जल्द दुरुस्त कराया जा रहा है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

ग्रेट निकोबार संरक्षण के समर्थन में कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान, दिनेश दद्दा के नेतृत्व में जुटे कार्यकर्ता

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। महानगर कांग्रेस कमेटी बरेली ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ग्रेट निकोबार भूमि एवं पर्यावरण संरक्षण मुहिम के समर्थन में शनिवार को हस्ताक्षर अभियान चलाया। महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में वार्ड-21 वीर भट्टी, तपेश्वर नाथ मंदिर के पास एवं सुभाष नगर में आयोजित अभियान में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने बताया कि लोगों ने ग्रेट निकोबार के जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के समर्थन में हस्ताक्षर किए। इस दौरान दिनेश दद्दा ने कहा कि पर्यावरण और प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा जरूरी है। उन्होंने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए जनता के मुद्दों पर ध्यान देने की बात कही। जिला उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र वाल्मीकि ने कहा कि कांग्रेस पर्यावरण संरक्षण और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। अभियान में उपासना लॉयल, जितेंद्र बाबू, मनोज घोष, जीशान अफरीदी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनपद में 11,346 करोड़ 91 लाख की धनराशि से कराए गए विकास कार्य

क्यूँ न लिखूँ सच/ जनपद बदायूँ में गत वर्षों में सभी विधानसभा क्षेत्रों में 11,346 करोड़ 91 लाख 11 हजार 75 रुपए की धनराशि से विकास कार्य कराए गए एवं लाभार्थियों को लाभांवित किया गया, जिसमें अवस्थापना एवं सुविधाओं में 2,148 करोड़ 02 लाख 81 हजार रुपए व्यय किए गए। अन्य निर्माण कार्यों में 1,167 करोड़ 85 लाख 32 हजार रुपए व्यय किए गए तथा विभिन्न विभागों की प्रमुख योजनाओं में 8,031 करोड़ 02 लाख 98 हजार 75 रुपए व्यय/लाभ राशि वितरित की गई, इस प्रकार जनपद बदायूँ की बिल्सी, बदायूँ, दातागंज, शेखूपुर, सहसवान व बिसौली सहित सभी 6 विधानसभाओं में विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों पर कुल 11,346 करोड़ 91 लाख 11 हजार 75 की धनराशि व्यय/वितरित की गई। शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में सुशासन को समर्पित माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा 140 करोड़ भारतीयों की निरंतर सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद के प्रभारी मंत्री व प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन एवं पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग डॉ0 अरूण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में पत्रकार बंधुओं के साथ मीडिया संवाद का आयोजन किया गया।

प्रभारी मंत्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष विकास, विश्वास, सुशासन और जनकल्याण की ऐतिहासिक यात्रा के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से प्रारम्भ हुई यह यात्रा जनता के अटूट विश्वास और सरकार के सेवा भाव पर आधारित रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को धरातल पर उतारते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जनधन योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन तथा स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं से करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में सड़क, रेल, मेट्रो, हवाई अड्डों एवं डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, वंदे भारत ट्रेनों का संचालन, अमृत भारत स्टेशन योजना, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार तथा भारतनेट परियोजना देश के विकास की नई पहचान बनी हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है तथा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है।

मीडिया संवाद कार्यक्रम के उपरांत प्रभारी मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने नगर क्षेत्र के नेकपुर में स्वच्छ भारत अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने सांकेतिक रूप से झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया तथा नागरिकों से स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता जनभागीदारी से ही सफल हो सकती है और प्रत्येक नागरिक को इसे अपनी जिम्मेदारी के रूप में अपनाना चाहिए।

इसके साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सर्टीफिकेट वितरित किए गए। प्रभारी मंत्री ने लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं से प्राप्त लाभ की जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पहुंचाया जाए। इसके अलावा उन्होंने जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया, नेकपुर स्थित आम्बेडर पार्क डॉ0 भीमराव आम्बेडर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा वहीं पौधारोपण भी किया।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, जिलाधिकारी अवनीश राय, अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार, जिला विकास अधिकारी अखिलेश चौबे, परियोजना निदेशक डीआरडीए सतेन्द्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, शारदेंदू पाठक, जे0के0 सक्सेना, हीरा लाल कश्यप, मनोज कुमार गुप्ता, रानी सिंह पुंडिर सहित जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक पदाधिकारियों, लाभार्थियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की।

आगामी मुहर्रम पर्व को लेकरशांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा,/जालौन -बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी (एसडीएम) हेमंत पटेल ने की। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं, ताजियादारों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में एसडीएम हेमंत पटेल ने उपस्थित लोगों से मुहर्रम पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने, प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्गों का पालन करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार मनाएं। यदि कहीं कोई समस्या या विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस एवं प्रशासन को दें, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके। क्षेत्राधिकारी (सीओ) परमेश्वर प्रसाद ने कहा कि मुहर्रम पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और तैयार है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है तथा सभी संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

बैठक में प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश बहादुर सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार, मंडी चौकी प्रभारी नीतीश कुमार, सुरही चौकी प्रभारी अभिषेक, खेड़ा चौकी प्रभारी शिवनारायण, सागर चौकी सुमित पांडेय एवं शुभम परमार सहित पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।इसके अलावा विद्युत विभाग, नगर पालिका परिषद, जियो कंपनी के प्रतिनिधि तथा क्षेत्र के सम्मानित नागरिक और ताजियादार भी बैठक में शामिल हुए। सभी ने मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

बैठक में अंजू अग्रवाल, आरिफ अली शाह, प्रभंजन गर्ग, संजय लोहिया, बल्लन अग्रवाल, मुस्तकीम, नईम खान, फईम काजी, रामजी गुप्ता, राघवेंद्र तिवारी, संदीप अग्रवाल, मुस्ताक पठान, रिजवान, नफीस, फिरोज, अशोक गुर्जर एवं सूरज कुशवाहा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जनकल्याण शिविर में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं का हुआ सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जनकल्याण शिविरों की श्रृंखला के अंतर्गत जनपद पंचायत खनियाधाना एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण, योग और जल गंगा संवर्धन अभियान विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि हरिभान सिंह लोधी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मोगराज मीणा, बीआरसी संजय भदौरिया, महिला एवं बाल विकास अधिकारी प्रियंका बुनकर तथा संवाद मित्र राजेश देव पांडे उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और योग के महत्व से अवगत कराते हुए समाज में जागरूकता फैलाने की प्रेरणा दी।

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल बचाओ और स्वस्थ जीवनशैली जैसे विषयों पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में कु. हर्षिता जैन (आचार्य विद्यासागर पब्लिक स्कूल) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक अभिव्यक्ति का परिचय दिया। प्रतियोगिता में विशाखा सिकरवार ने प्रथम, अश्विनी नामदेव ने द्वितीय तथा अमृता लोधी ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं माही अहिरवार और राशि नामदेव को भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं जल संवर्धन जैसे जनहितकारी अभियानों से निरंतर जुड़े रहने का संदेश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद सुसाइड केस: गर्लफ्रेंड के नए रिश्ते से परेशान था अमन, रातभर मिली प्रताड़ना के बाद उठाया खौफनाक कदम

मृतक अमन सिंह पिछले 3-4 वर्षों से रितिका से प्यार करता था। हालांकि, कुछ समय से अमन और रितिका के बीच अनबन चल रही थी। इसी बीच रितिका और अभिषेक एक-दूसरे के करीब आ गए और दोनों में प्यार हो गया, जब अमन सिंह को इस नए रिश्ते का पता चला, तो उसने विरोध किया।गाजियाबाद के मसूरी क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने एक छात्र को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में एक युवक और एक युवती को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 11 जून को दर्ज की गई तहरीर और सुसंगत धारा 108 बीएनएस के तहत दर्ज मुकदमे के आधार पर की गई है। मसूरी पुलिस टीम द्वारा गठित विशेष दल ने शनिवार 13 जून को मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर मसूरी क्षेत्र से ही दोनों नामजद/वांछित आरोपियों को दबोच लिया।

अभिषेक व रितिका ने किया चौंकाने वाला खुलासा कार्यवाहक एसीपी मसूरी भास्कर वर्मा ने जानकारी देकर बताया कि पकड़े गये आरोपी अभिषेक कुमार वर्मा पुत्र बाबूराम वर्मा, निवासी मोहल्ला जवाहर नगर, थाना गजरौला अमरोहा व रितिका पुत्री जितेन्द्र सिंह, निवासी ग्राम यकवगडी, थाना रजबपुर अमरोहा हैं। पुलिस हिरासत में हुई पूछताछ के दौरान आरोपी अभिषेक व रितिका ने जो खुलासा किया, वह चौंकाने वाला है।किराये पर रहकर करते थे पढ़ाई दोनों ने बताया कि वे और मृतक अमन सिंह, तीनों ही मूल रूप से जनपद अमरोहा के रहने वाले हैं और गाजियाबाद में किराए पर रहकर पढ़ाई कर रहे थे, अभिषेक गाजियाबाद के शास्त्री नगर में रहकर पॉलिटेक्निक की पढ़ाई कर रहा था, जबकि रितिका फ्लौरा एन्क्लेव में रहकर आईएमएस कॉलेज से बीसीए कर रही थी। इनका एक चौथा दोस्त संजीत निवासी ग्राम सदरपुर मधुबन बापूधाम गाजियाबाद भी है। ये सब आपस में एक-दूसरे को कई साल से जानते थे। रितिका को चार से प्यार करता था अमन- मृतक अमन सिंह पिछले 3-4 साल से रितिका से प्यार करता था। हालांकि, कुछ समय से अमन और रितिका के बीच अनबन चल रही थी। इसी बीच रितिका और अभिषेक एक-दूसरे के करीब आ गए और दोनों में प्यार हो गया, जब अमन सिंह को इस नए रिश्ते का पता चला, तो उसने विरोध किया और रितिका से आखिरी बार मिलकर बात साफ करने की इच्छा जताई। बातचीत के लिए बुलाकर किया तंग- दिनांक 11 जून को अमन, रितिका के कमरे पर आया और वहां उनके बीच बहस हुई। रितिका ने फोन करके अभिषेक और संजीत को भी बुला लिया। संजीत तो अमन को डरा-धमकाकर वहां से चला गया, लेकिन रात में अभिषेक, रितिका और अमन एक ही कमरे में रहे। आरोपियों ने कुबूल किया कि उन्होंने अमन सिंह से पीछा छुड़ाने के लिए रातभर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से काफी टॉर्चर किया। पंखे पर लटकर दी अमन ने जान- इस प्रताड़ना से तंग आकर अमन सिंह ने दूसरे कमरे में जाकर अन्दर से कुंडी लगा ली और पंखे से लटककर अपनी जान दे दी, आरोपियों का कहना है कि उन्हें अंदाजा नहीं था कि अमन ऐसा आत्मघाती कदम उठा लेगा। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास से किसी भी प्रकार की बरामदगी नहीं हुई है। आरोपियों के खिलाफ थाना मसूरी में यह पहला मामला पंजीकृत किया गया है, और पुलिस उनके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है। एसीपी मसूरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आगे की वैधानिक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

डिलारी पुलिस की बड़ी कार्रवाई: मारपीट और बलवा मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ डिलारी = मुरादाबाद। थाना डिलारी क्षेत्र के नगर पंचायत ढकिया में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के मामले में डिलारी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।पुलिस के अनुसार, 12 जून 2026 को ढकिया में दो पक्षों के बीच विवाद और मारपीट की घटना हुई थी। मामले में थाना डिलारी पर दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 99/2026 एवं 100/2026 के तहत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने 13 जून 2026 को आरोपी इकराम, इस्लाम, कमर, अफजाल तथा अयान निवासी ढकिया पीरू, थाना डिलारी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया।इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक सुमित कुमार, उपनिरीक्षक संतोष कुमार, हेड कांस्टेबल रविंद्र, हेड कांस्टेबल शरीफ अहमद, कांस्टेबल अवनीश, कांस्टेबल रजनीश कुमार एवं महिला कांस्टेबल पूनम शामिल रहीं।पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष विवेचना जारी है तथा अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

डिलारी में भीषण सड़क हादसा: दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, दोनों युवक घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ मुरादाबाद। थाना डिलारी क्षेत्र में शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में दो बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा गोविंदपुर इंटर कॉलेज के सामने हुआ, जहां दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और सड़क पर अफरा-तफरी मच गई।, शरीफ पुत्र शफीक निवासी स्वार, जनपद रामपुर अपनी अपाचे बाइक से नगर पंचायत ढकिया की ओर जा रहे थे। वहीं मोनिश पुत्र आसिफ निवासी गांव वाजिदपुर अपनी स्प्लेंडर बाइक से डिलारी से अपने घर लौट रहे थे। शनिवार शाम करीब 5 बजे गोविंदपुर इंटर कॉलेज के सामने दोनों वाहनों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई।हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डिलारी पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद शरीफ पुत्र शफीक की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि दूसरे घायल का उपचार जारी है।

ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर जल संसाधन विभाग हनोता सिंचाई परियोजना ने लिया संज्ञान

क्यूँ न लिखूँ सच/अनिल कुमार/ गंज बासौदा / पठारी हनोता डैम निर्माण से प्रभावित विस्थापित परिवारों की समस्याओं को लेकर जल संसाधन विभाग की हनोता सिंचाई परियोजना ने गंभीरता दिखाते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है ।विभाग द्वारा व्यवस्थापन कॉलोनी में लंबे समय से उठ रही विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय पहल की जा रही है, जिससे प्रभावित ग्रामीणों में संतोष का माहौल देखने को मिल रहा है। जानकारी के अनुसार हनोता डैम निर्माण से प्रभावित विस्थापित कॉलोनी के ग्रामीणों ने कॉलोनी में व्याप्त अनियमितताओं और विभिन्न समस्याओं को लेकर 9 जून को तहसीलदार अभिषेक पांडे को ज्ञापन सोपा था। ग्रामीणों ने ज्ञापन के माध्यम से अपनी समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की मांग की थी। ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार अभिषेक पांडे ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे तथा समस्याओं के निराकरण के लिए 7 दिन का समय निर्धारित किया था ।प्रशासनिक स्तर पर हुई इस पहल के बाद जल संसाधन विभाग की हनोता सिंचाई परियोजना ने मामले का संज्ञान देते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। विभागीय अधिकारियों ने व्यवस्थापन कॉलोनी का निरीक्षण कर ग्रामीणों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जानकारी ली और उनके समाधान के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य प्रारंभ कराया। अधिकारियों ने व्यक्तिगत रुचि लेते हुए राजस्व विभाग के सहयोग से आवश्यक सुधार एवं पुराव संबंधी कार्यों को गति दी है । विभागीय अमला लगातार क्षेत्र में मौजूद रहकर कार्यों की निगरानी भी कर रहा है ताकि समस्याओं का स्थानीय समाधान सुनिश्चित किया जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग द्वारा उनकी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई किए जाने से उन्हें राहत मिली है ।वर्तमान में कॉलोनी में चल रहे कार्यों से वे संतुष्ट हैं और विभाग को पूरा सहयोग भी दे रहे हैं ।ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन और विभाग की संयुक्त पहल से उनकी शेष समस्याओं का भी जल्द समाधान होगा। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि विस्थापित परिवारों की सुविधाओं और आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए सभी जरूरी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे ।विभाग का प्रयास है कि व्यवस्थापन कॉलोनी में रहने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो तो उन्हें बेहतर मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। स्थानीय लोगों का मानना है कि प्रशासन विभाग की तत्परता से क्षेत्र में सकारात्मक संदेश गया है तथा इससे ग्रामीणों का विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है ।वर्तमान में जो कार्यों को पूरा होने के बाद व्यवस्थापन कॉलोनी की व्यवस्थाओं में और अधिक सुधार होने की उम्मीद जताई है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान की भावना के साथ प्रभारी मंत्री ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

रगौली में रात्रि जन चौपाल का आयोजन, डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन, गरीब परिवार के घर पहुंचकर किया सहभोज

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्राम रगौली में मा0 प्रभारी मंत्री/ राज्य मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग, उत्तर प्रदेश श्री संजय सिंह गंगवार की अध्यक्षता में रात्रि जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना, जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मा0 प्रभारी मंत्री द्वारा ग्राम पंचायत सचिवालय परिसर में स्थापित डिजिटल लाइब्रेरी का फीता काटकर उद्घाटन कर किया गया। इसके पश्चात आयोजित रात्रि जन चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता कर अपनी समस्याएं, सुझाव एवं स्थानीय आवश्यकताओं को मंत्री के समक्ष रखा।

मा0 प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का अवलोकन किया तथा कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी एवं बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध कराया जाए। मा0 प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने सेवा, सुशासन और विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान केवल एक नारा नहीं, बल्कि सरकार की कार्यशैली का मूल आधार है। इसी भावना के अनुरूप जनसमस्याओं का समाधान, गरीबों का उत्थान, महिलाओं का सशक्तिकरण, किसानों की समृद्धि और युवाओं को अवसर उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जन चौपालों के माध्यम से सरकार सीधे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुन रही है और मौके पर समाधान सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मा0 मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए ग्रामीणों से अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है ।कार्यक्रम के उपरांत मा0 प्रभारी मंत्री ने गांव का भ्रमण कर विकास कार्यों का अवलोकन किया तथा एक गरीब परिवार के घर पहुंचकर उनके साथ भोजन ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने परिवारजनों का कुशलक्षेम जाना और आत्मीय संवाद स्थापित करते हुए सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान की भावना को व्यवहारिक रूप से प्रदर्शित किया। यह दृश्य ग्रामीणों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा और जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन के प्रति विश्वास को और मजबूत करने वाला साबित हुआ।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, कालपी विधायक प्रतिनिधि आशीष चतुर्वेदी, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन, एमएलसी प्रतिनिधि मयंक त्रिपाठी आदि सहित सम्बंधित अधिकारी, जनप्रतिनिधि व ग्रामवासी मौजूद रहे।

हल्की बारिश ने खोली विकासखंड रिसिया की पोल: मस्जिद के सामने भरा गंदा पानी, नमाजी परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच/अमरीक सिह/ बहराइच। विकासखंड रिसिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम सभा पडरीतारा के मजरा एकघरवा से जलभराव और गंदगी की एक बड़ी समस्या सामने आई है। क्षेत्र में हुई मामूली सी बरसात ने ही स्थानीय प्रशासन और सफाई व्यवस्था के दावों की हवा निकाल कर रख दी है।

पवित्र स्थल के पास लगा गंदगी का अंबार स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, एकघरवा गांव में स्थित मस्जिद के ठीक सामने इस समय भारी मात्रा में गंदा पानी और कीचड़ जमा हो गया है। मस्जिद जैसे पवित्र स्थल के मुख्य रास्ते पर जलभराव होने के कारण नमाजियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यदि किसी को नमाज अदा करने जाना है, तो उन्हें मजबूरन इसी बदबूदार और गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे उनकी पवित्रता (वज़ू) प्रभावित होने का खतरा बना रहता है ।ग्रामीणों का आक्रोश- एक तरफ सरकार स्वच्छ भारत मिशन पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं दूसरी तरफ हमारे गांव की मस्जिद के सामने नरकीय स्थिति बनी हुई है। गंदे पानी से होकर नमाज पढ़ने जाना हमारी मजबूरी बन गया है।

सफाई कर्मचारी की लापरवाही आई सामने ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि इस क्षेत्र में तैनात सफाई कर्मचारी अपनी ड्यूटी के प्रति पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है। वह कभी भी गांव में साफ-सफाई करने नहीं आता है। नालियां चोक पड़ी हैं, जिसके कारण हल्की सी बारिश का पानी भी रास्तों पर जमा होकर तालाब का रूप ले लेता है। बार-बार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं ।महामारी का मंडराया खतरा, की गई कार्रवाई की मांग मस्जिद के पास जमा इस गंदे पानी से न सिर्फ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंच रही है, बल्कि भीषण गर्मी और उमस के बीच मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है, जिससे गांव में संक्रामक बीमारियों और महामारी फैलने का खतरा पैदा हो गया है।

स्थानीय निवासियों आफताब अहमद मोहम्मद सज्जाद अकरम रहमानी निसार अहमद नसरुद्दीन मोहम्मद जलील फायजूर रहमान फकरुद्दीन नसीम अहमद मोहिउद्दीन सहित ने जिले के उच्चाधिकारियों और खंड विकास अधिकारी (BDO) रिसिया का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए मांग की है कि-तत्काल प्रभाव से मस्जिद के सामने से जलभराव की समस्या को दूर किया जाए ।गांव में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित कराई जाए ड्यूटी से नदारद रहने वाले लापरवाह सफाई कर्मचारी के खिलाफ सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

संक्षिप्त समाचार

अब सुरक्षित होगी विरासत की अमूल्य धरोहर, जिले में पांडुलिपियों की खोज शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के उद्देश्य से जिले में ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, संरक्षण एवं डिजिटलीकरण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत निजी शोध संस्थानों, महाविद्यालयों, ग्रंथालयों, मंदिरों, मठ-आश्रमों एवं निजी ट्रस्टों में सुरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियों की खोज कर उनकी जानकारी ज्ञान भारतम् एप पर अपलोड की जा रही है।अभियान के प्रभावी संचालन के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा द्वारा जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्राचीन पांडुलिपियों एवं हस्तलिखित दस्तावेजों का संरक्षण भारतीय संस्कृति, ज्ञान परंपरा और ऐतिहासिक विरासत को सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने प्रधानमंत्री के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पांडुलिपियां भारत की आत्मा का महत्वपूर्ण अध्याय हैं। जिले में पुस्तकालयों, मंदिरों, आश्रमों, निजी संस्थानों और ट्रस्टों में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर उनका दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण किया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए इस अमूल्य धरोहर को सुरक्षित रखा जा सके। कलेक्टर श्री वर्मा ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके पास कोई प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपि या दुर्लभ दस्तावेज उपलब्ध हो, तो उसकी जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराकर इस राष्ट्रीय अभियान में सहयोग करें। इच्छुक व्यक्ति पांडुलिपियों से संबंधित जानकारी के लिए डिप्टी कलेक्टर मोतीलाल अहिरवार के कार्यालय, कलेक्ट्रेट शिवपुरी से संपर्क कर सकते हैं।।

खनियाधाना पुलिस की बड़ी सफलता, आगरा से सकुशल बरामद हुई अपहृत नाबालिग बालिका

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी/ खनियाधाना। थाना खनियाधाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत नाबालिग बालिका को उत्तर प्रदेश के आगरा जिले स्थित खंदोली बस स्टैंड से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा जिले में गुमशुदा एवं अपहृत नाबालिग बालक-बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबी के लिए दिए गए निर्देशों के पालन में यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना खनियाधाना पुलिस लगातार बालिका की तलाश में जुटी हुई थी। थाना खनियाधाना में दर्ज अपराध क्रमांक 112/26, धारा 137(2) के तहत अपहृत नाबालिग की खोजबीन के दौरान पुलिस टीम को महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिसके आधार पर उत्तर प्रदेश के आगरा स्थित खंदोली बस स्टैंड के प्रतीक्षालय से बालिका को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। इसके बाद आवश्यक कार्रवाई पूरी कर बालिका को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस सफलता में थाना प्रभारी निरीक्षक केदार सिंह यादव, सहायक उपनिरीक्षक जगदीश शरण बंजारा, आरक्षक अनूप कुमार, हेम सिंह एवं महिला आरक्षक हनीराजा चौहान की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से एक परिवार को बड़ी राहत मिली है तथा जिले में नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर पुलिस की संवेदनशीलता और सक्रियता एक बार फिर सामने आई है।

मा0 प्रभारी मंत्री ने स्वयं झाड़ू लगाकर किया स्वच्छता श्रमदान, वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/ नया पटेल नगर वार्ड में सफाई व्यवस्था का लिया जायजा, सफाई कर्मियों का बढ़ाया उत्साह, नागरिकों से स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का किया आह्वान केंद्र एवं प्रदेश सरकार के सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान के मूल भाव को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वच्छता एवं जनकल्याणकारी अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जनपद के मा0 प्रभारी मंत्री/राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग, उत्तर प्रदेश श्री संजय सिंह गंगवार ने आज प्रात: नगर के नया पटेल नगर वार्ड संख्या-09 का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में संचालित स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया तथा सफाई कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

निरीक्षण के दौरान मा0 प्रभारी मंत्री ने वार्ड की गलियों, सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कर स्वच्छता व्यवस्था की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने सफाई कर्मियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा और संस्कार से जुड़ा जनआंदोलन है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। मा0 प्रभारी मंत्री ने सफाई कर्मियों को सम्मानित भाव से संबोधित करते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और

स्वस्थ बनाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार उनके कल्याण, सम्मान एवं सुविधाओं के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा उनके योगदान को सदैव सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है ।स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का संदेश देते हुए मा0 प्रभारी मंत्री ने स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता श्रमदान किया तथा उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सेवा की भावना से किया गया प्रत्येक कार्य समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने लोगों से अपने घरों, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

इसके उपरांत मा0 प्रभारी मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ वृक्षारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा भावी पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए अधिकाधिक पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से एक पेड़ माँ के नाम अभियान सहित विभिन्न वृक्षारोपण अभियानों से जुड़ने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सुशासन के माध्यम से जनसुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जनभागीदारी और सेवा के ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधि, प्रशासन और आमजन मिलकर कार्य करते हैं तो विकास और जनकल्याण के लक्ष्य अधिक प्रभावी ढंग से प्राप्त होते हैं।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, नगर निकाय के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 घनश्याम अनुरागी, मा0 विधायक सदर गौरीशंकर वर्मा, मा0 विधायक कालपी के प्रतिनिधि आशु चतुर्वेदी, मा0 जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी उर्विजा दीक्षित, मा0 जलशक्ति मंत्री प्रतिनिधि अरविंद चौहान, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी के0के0 सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका उरई सहित जनप्रतिनिधिगण सहित सम्बन्धित अधिकारीगण और नगर पालिका उरई की टीम मौजूद रही।

The world's first Legoland was built out of necessity, and then became an international tourist destination overnight.

The world's first Legoland was built in Billund, Denmark. The motive behind this park wasn't profit, but rather a necessity. The first Legoland wasn't profit, but a factory designed to handle crowds. It opened in Billund in season. The Lego Company has made the Legoland is one of children's favorite idea for Legoland came about? The any grand business plan or the intention quite interesting and unique. Let's learn in a small town in Denmark, and today it of fans thronged the factory—this Group's toys were a global hit. The that people flocked to Billund, Denmark, Thousands of visitors began arriving operations and security. To handle this Kirk Christiansen devised a unique factory, where visitors could view the brick inside the factory. With this idea, the world's first Legoland opened on June 7, visitors, but the crowds that arrived than 600,000 people flocked to Billund. town of Billund into an international tourists grew so much that the city needed small airstrip there, which later became

1968, attracting 600,000 visitors in its first journey from wooden to plastic toys. theme parks today, but do you know how the world's first Legoland park wasn't driven by to make a profit. The reason behind it was how the world's first Legoland park was built has become a global phenomenon. Crowds incident dates back to the 1960s. The Lego demand for these colorful toys was so great from far and wide to visit its factory. annually, posing challenges to the factory's growing crowd, company leader Godtfred solution. He envisioned a park near the artifacts and models without having to go world's first Legoland park opened. The 1968. The company expected only a few surprised everyone. In the first season, more This massive success transformed the small tourist destination overnight. The influx of an airport. The Lego company first built a Billund Airport. Today, it is Denmark's second busiest airport. From wooden toys to plastic bricks: The Lego Group was founded in 1932 by a carpenter, Ole Kirk Christiansen. Initially, he only made wooden toys. In 1934, the company was named Lego. This name is derived from the Danish word "Leg Godt," which means "Play Well." Then, in 1949, the company changed history by launching the first plastic interlocking bricks. These colorful bricks quickly made Lego the world's largest toy brand. Today, Lego has established itself not only in toys but also in video games, theme parks, and films.

Wearing a blouse with a sari was never a trend, but here's how it became a part of our culture.

Wearing a blouse with a sari wasn't a trend in India centuries ago. Gyanadanandini Devi, inspired by Parsi women and English shirts, pioneered the modern blouse and sari style after an incident in Mumbai. Wearing a blouse with a sari blouse with a sari -Inspired by Parsi women and deeply rooted in our culture, also enhances a the sari, but have you ever wondered where these originated? The blouses we wear with sari today, Yes, you'll be surprised to know that centuries In ancient India, it was common for women to where did this blouse come from? Let's find out with a sari today and the way we wear it deserve woman. She was the wife of Satyendranath 19th-century Bengal, many strict rules were required to remain confined within the four walls very open-minded and a supporter of women's to breathe freely. How did the change begin? - with her husband. Later, when Satyendranath Gyanadanandini entered a new world. Here, she society. One incident changed the history of the an elite club of the British Raj when she was traditional Bengali style of wearing the sari, which considered "uncivilized" by the British. This change the way she wore her sari so she could

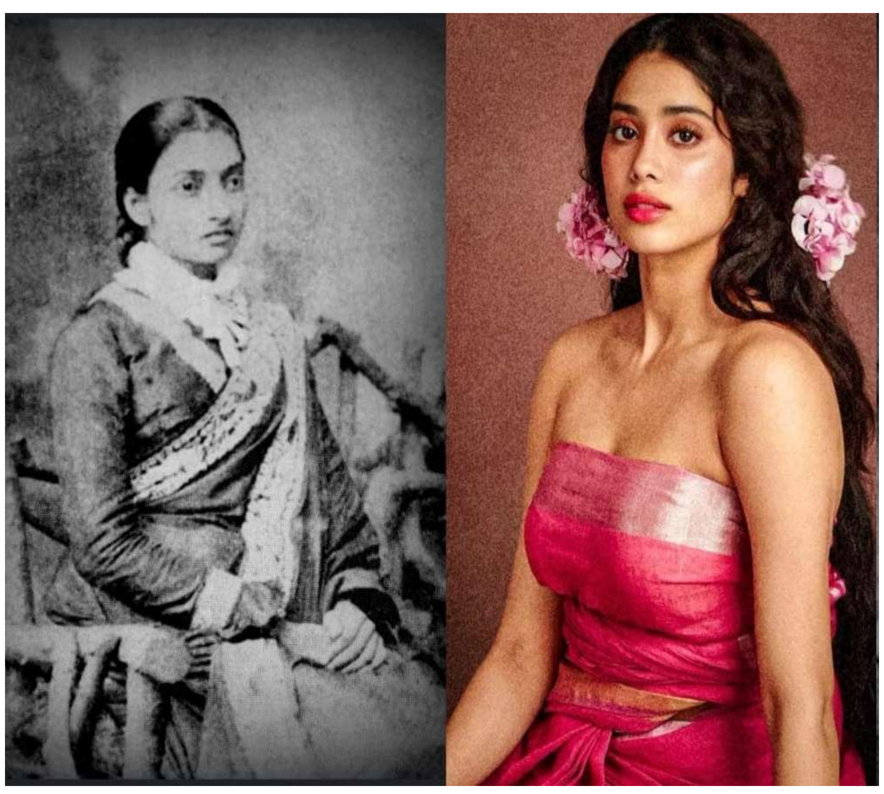

wasn't a trend in ancient India. Gyanadanandini Devi pioneered the English shirts, she created a new style. The sari is an outfit that, while woman's beauty. These days, many blouse designs are trending with designs, like "sweetheart," "halter," "boat neck," or "backless," or the types of sari we wear today, were never part of our culture. ago, wearing a blouse with a sari wasn't a common practice in India. wear a sari while revealing their upper body. So, the question arises: more about it: Who was Gyanadanandini Devi?The blouse we wear the full credit for creating it. Gyanadanandini Devi was no ordinary Tagore, the elder brother of the great poet Rabindranath Tagore. In imposed on women. Under the "purdah system," women were of the house (zenana). Although her husband, Satyendranath, was rights, the family's strict rules made it difficult for Gyanadanandini Change began when Gyanadanandini moved into a separate house was appointed Assistant Collector in Bombay, now Mumbai, had the opportunity to interact with high-class people and the English sari - While living in Mumbai, Gyanadanandini Devi was once visiting stopped at the door. The reason for this was her clothing. The did not include a blouse or shirt to cover the upper body, was incident shook Gyanadanandini Devi to the core, and she resolved to navigate the modern world with dignity without losing her Indian identity. The Parsi Gara and the Birth of the Modern Blouse: To fulfill this desire, Gyanadanandini drew inspiration from the Parsi women of Bombay. She began draping the sari in the Parsi style, wearing a petticoat underneath. To modestly cover the upper part, she commissioned a collared blouse inspired by English shirts. She created pleats in the front of the sari and began draping the pallu over the left shoulder, thus giving birth to the practice of wearing the sari with the pallu facing down. And thus was born the modern sari: when she returned to Kolkata, she organized classes to teach other women this new "nivi drape" style, where hundreds of women came to learn this new modern take on the sari. Initially, people criticized her style as "vulgar" and "against tradition," but Gyanadanandini didn't back down. Once a pioneer in teaching women in Bengal a new sari style, Gyanadanandini Devi could never have imagined that this style would become a signature style for women across India.

This method of packing a suitcase is the best; it saves space and prevents wrinkles.

Clothes often get ruined by creases in a suitcase. With a few smart hacks, you can pack more items in less space without crushing them. Rolling clothes saves space and prevents wrinkles. Use the bundle wrapping technique for formal clothes. belongings. Packing is as exciting as it is tedious. The how to prevent wrinkles can make packing a very difficult in your suitcase with some simple packing hacks. This Roll: Most people keep their clothes folded in their Rolling clothes prevents them from wrinkling and fits into and placed in a suitcase. Bundle wrapping for formal pants, silk saris, or expensive gowns, bundle wrap them. and half outside. Place the formal clothes in between them, prevent the clothes from forming creases. Use tissue paper between each fold. This will prevent the clothes from packing cubes: Packing cubes are small, zippered fabric clothes. This will prevent the clothes from moving from

Using packing cubes and empty space helps organize your dilemma of how to fit more items in the least amount of space and task. If you find yourself in this dilemma, you can double the space will prevent wrinkles and allow you to fit more items in less space. suitcases. This causes them to wrinkle and take up less space. less space. T-shirts, jeans, pajamas, kurtas, etc. can be easily rolled clothes: If you're traveling to a formal event and carrying coats, Spread jeans or jackets at the bottom of the suitcase, half inside and wrap the outer part of the heavy fabric over them. This will paper: When folding silk or chiffon clothes, place a piece of tissue rubbing against each other and keep the creases intact. Try containers. These cubes can be used to store different types of their place and their folds will also not get spoiled due to the frequent movement of the suitcase. Utilize the empty space- To save space in the suitcase, use the space between clothes and other items. Put your socks, handkerchiefs or small gadgets inside your shoes. Always wrap your shoes in a plastic bag and keep them on the side of the suitcase. Put heavy items first- While packing the suitcase, put heavy items on the wheel side first, followed by rolled clothes and other lighter items. This will maintain the balance of the bag and the clothes will not get crushed under the heavy items.

Avinash Tiwari's film returns to OTT after a month and a half. When and where is it streaming?

Ginny Weds Sunny 2 arrives on OTT after theatrical release Avinash Tiwari and Medha Shankar starrer romantic film Ginny Weds Sunny 2, which was a box office disaster, has now been released on the OTT platform after being released in theaters. After nearly a month and a half, Avinash and Medha's romantic film Ginny Weds Sunny 2 has moved away from the big screen and is being streamed online for audiences. While it may not have been a box office success, it has already made a splash on OTT platforms. A box office flop: Ginny Weds Sunny 2, the sequel to Vikrant Massey and Yami Gautam's film Ginny Weds Sunny, released in theaters on April 24th of this year. However, the film failed to perform well on the big screen. Reports suggest that it failed to recover even half of its budget. Made on a budget of ?25 crore, the film grossed a mere ?1.52 crore (according to Bollywood Hungama). Which OTT is Ginny Weds Sunny 2 on? Well, Avinash Tiwari's film may not have performed particularly well on the big screen, but it's now available on OTT platforms. This romantic drama is currently streaming on the OTT platform Zee5. The film was directed by Prashant Jha, who also wrote the story. What is the story of the film? Ginny Weds Sunny 2 tells the story of two people with different personalities who enter into an arranged marriage. Small-town wrestler Sunny (Avinash) and city girl (Medha) meet on a matrimonial platform and get married, but when the truth about each other is revealed, real trouble begins in their lives. Besides Avinash and Medha, the film also stars Lillete Dubey, Govind Dubey, Gopi Bhalla, and Rohit Chaudhary in pivotal roles. Avinash Tiwari and Medha Shankar's rom-com drama Ginny Weds Sunny 2 has arrived on OTT after theatres.

A 7-episode series has been dominating Netflix for six months, each episode packed with thrills.

A thriller series released six months ago has been dominating Netflix and consistently trending in the top 10. A 7-episode series has been dominating OTT platforms, trending on Netflix for six months. Each episode is packed with thrills. No matter how great a series is on OTT platforms, it often drops off the trending list after a month or two. However, six months ago, a series was released on Netflix that was not only number one at the time, but even months later, it remains a part of the top 10. Staying on the trending list for six months - While many new series have come and gone in the past six months, this series has remained in the top 10 trending list. This series has been well-received by audiences and has received a strong rating on IMDb. The internet database gave it a rating of 7.1 out of 10. What is the story behind the series? The story revolves around a suspended but principled customs officer, a Superintendent. He is rehired to lead a special task force against an international smuggling syndicate. This team is formed by the Assistant Commissioner of the Central Board of Indirect Taxes and Customs. The team comprises officers who were previously sidelined for refusing to participate in corruption. Each episode of the series is filled with thrills, and its storytelling keeps the audience hooked until the end. The climax of the story is astonishing, and the actors' acting is also excellent in the series. This series is in the top 10. This series is in Netflix's top 10 trending list - Taskaree: The Smuggler's Web, in which Emraan Hashmi has played the lead role. The series was released on January 14, 2026, and has been a part of the trending list ever since. Emraan Hashmi plays customs officer Arjun Meena in Smugglers. He also stars alongside actors like Sharad Kelkar, Nandish Sandhu, Anurag Sinha, Amruta Khanvilkar, and Zoya Afroz.

After TV, Ekta Kapoor will rule OTT. When and where will Lock Up 2 stream?

Famous producer Ekta Kapoor's popular reality show is set to return to OTT with Lock Up Season 2. Lock Up Season 2 will arrive on OTT. Ekta Kapoor's popular reality show will stream online on this platform. Four years ago, famous small screen producer Ekta Kapoor's reality show, Lock Up, premiered, hosted by actress Kangana Ranaut. A few months ago, news surfaced that the makers were preparing for Lock Up Season 2, and now confirmation has arrived. Lock Up 2 has been officially announced, and the show's release date has also been revealed. So, let's find out when and where this reality show from Ekta Kapoor will stream online with the new season. When and where will Lock Up 2 arrive? With the official announcement of Lock Up Season 2, fans' excitement has reached new heights, and they are eagerly awaiting its release. Looking at the OTT release of Lock Up 2, on Tuesday, the popular OTT platform Netflix India officially announced Ekta Kapoor's Lock Up 2. Alongside this, the first promo video for Lock Up 2 was also released on Netflix's X handle, showing people walking through the streets of famous cities like Delhi, Mumbai, and Lucknow, handcuffed, wearing red clothes, and red masks. They are accompanied by security guards, who are carrying talkies and wearing lock-print jackets. The makers have adopted this unique method for Lock Up 2's promotion, which has impressed many. The release date for Lock Up 2 has also been announced, stating that Lock Up Season 2 will stream on the OTT platform Netflix from June 27, 2026, Saturdays through Wednesdays at 8 p.m. This contestant won Lock Up 1- Talking about Kangana Ranaut-hosted Lock Up 1 (2022), the first season of this reality show was won by stand-up comedian Munawar Faruqui.